वन उत्पादकता संस्थान, रांची

INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY

21वी अनुसंधान सलाह्कार समूह की बैठक

20.10.2020

वन उत्पदकता संस्थान,रांची द्वारा दिनांक 20.10.2020 को 21वी अनुसंधान सलाह्कार समूह की बैठक आभाषीय मंच के माध्यम से आयोजित गई जिसमे स्लाह्कार समूह के सदस्यो तथा आमंत्रित अतिथियो का स्वागत करते हुए संस्थान के निदेशक ,डा. नितिन कुलकर्णी ने अनुसंधान सलाह्कार समूह की बैठक की मह्ता पर प्रकाश डाला। इसकी आवश्यकता भा.वा.अ.शि.प. द्वारा नयी अनुसंधान परियोजनाओ एव चल रही परियोजनाओ के मुल्याकन के लिए अनुसंधान सलाह्कार समूह एक सर्वोच्य निकाय है। इस बैठक में आभाषीय मंच द्वारा तमाम सलाह्कार सद्स्यो से अनुसंधान परियोजनाओ के लिए विवेक पूर्ण स्कोरिंग करने का आग्रह किया गया।जिससे इस क्षेत्र के वानिकी अनुसंधान को गति मिल सके।

संस्थान के समूह सम्न्वयक (अनुसंधान) डा. योगेश्वर मिश्रा ने संस्थान के परिषद पोषित एव अन्य अभिकर्णो के द्वारा क्रियांवित परियोजनाओ एव विस्तार प्रभाग द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न गतिविधियो से अवगत कराया। संस्थन के संसाधनो का विस्तार से प्रस्तुत किया,जहा प्रस्तावित एव चल रहे परियोजनाओ का सफल क्रियान्वयन सम्भव है एव क्षेत्र के वानिकी संवर्धन को गति प्रदान किया जा सकता है।भा.वा.अ.शि.प. द्वारा वर्ष 2020 में प्रकाशित(NFRP) के लिए गये निर्णयो को सलाह्कार समूह की बैठक में गम्भीरता से अनुपालन में किया गया है। पोप्लर की सफलता का जिक्र राष्ट्रिय बांस मिशन,न्मामि गंगे तथा कैमूर वन्य जीव आदि परियोजना का संक्षिप्त प्रगति से अवगत कराते हुए शहरी- आर्थिक सुधार एव वन वर्धन हेतु 10 हेकटर अतिरिकत बांस रोपण के लिए उप महानिदेशक (अनुसंधान) का धन्यवाद किया।

दो सत्रो में चलने वाले कार्यक्रम के प्रथम सत्र की अध्यक्षता एव सह अध्यक्षता श्री जे. शास्त्री एव श्री एम.एच. सिद्दिकी ने की। न्ये परियोजनाओ की प्रस्तुति डा. योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक एफ, डा. शरद तिवरी, वैज्ञानिक एफ, डा. अनिमेष सिन्हा, वैज्ञानिक ई, श्री आदित्य कुमार, वैज्ञानिक डी एव श्रीमती रुबी कुजूर बैज्ञानिक,सी. ने अपनी-अपनी परियोजनाए प्रस्तुत की।श्री एम. एस. मलिक श्री जे. शास्त्री,डा. ज.पी.पांडे श्री मती पुर्वी सैकिया,डा. निर्मल कुमार, डा. जे. घोष तथा टेरी के वैज्ञानिको ने चर्चा में अपने-अपने विचार साझा किया।

दूसरे सत्र का अध्यक्षता एव सह अध्यक्षता श्री ए. के. मिश्रा, से.नि. PCCF, Jharkhand एव श्री अनिल कुमार RCCF, Bihar द्वारा किया गया। संस्थन के निदेशक ने विस्तार योग्य परियोजनाओ को प्राथमिकता देते हुए चर्चा करने का आग्रह किया। श्री संजीव कुमार, वैज्ञानिक डी के परियोजना पर सलाह्कार समूह की सहमती बनी जिसे विस्तारित किया जा सकता है।

समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी ने अनुसंधान सलाहकार समूह को परियोजना के अनुमोदन में आपकी स्कोरिंग की बडी भुमिका है, जो परियोजना के अनुमोदन में लाभदायक शिद्ध हो सकती है।

संस्थान के श्रीमती रुबी सुषाना कुजुर, वैज्ञानिक सी द्वारा कार्यक्रम के अंत में सबो का धन्यवाद ज्ञापन किया।

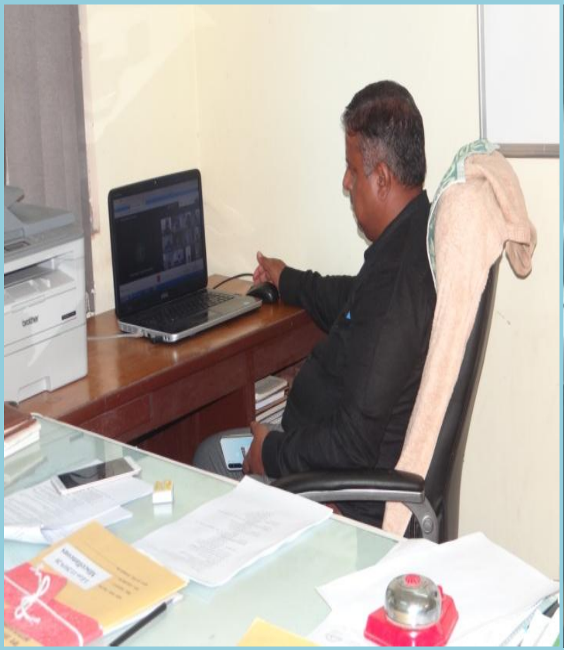
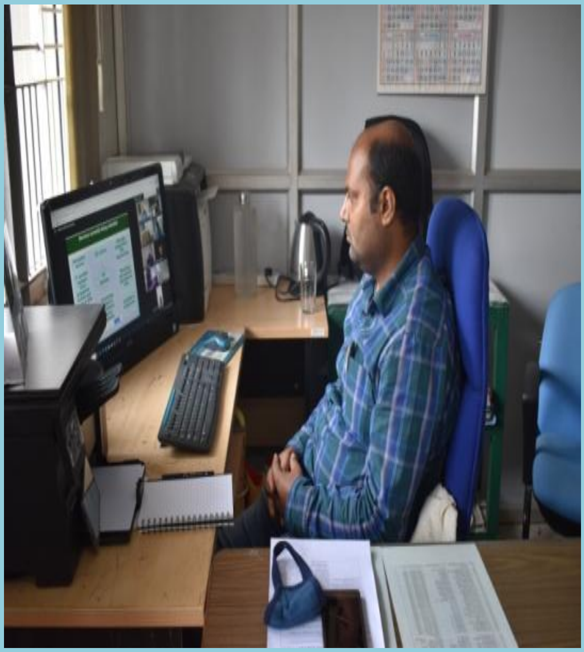

21वी अनुसंधान सलाहकार समूहकी बैठक की झलक

अनुसंधान सलाहकार समूह की हुई बैठक

पिस्का नगड़ी। प्रखंड के लाल गूटवा स्थित वन उत्पदकता संस्थान में मंगलवार को आभाषीय मंच के माध्यम से अनुसंधान सलाहकार समूह (आरएजी) की बैठक हुई। उद्घाटन सत्र में संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने बैठक में आभाषीय मंच से अनुसंधान सलाहकार समूह के सभी सद्स्यो एवम भारतीय वानिकी अनुसंधान एव शिक्षा परिषद के सहायक महानिदेशक (अनु.एव योजना) का स्वागत करते हुए बैठक की महता पर प्रकाश डाला। संस्थान के समूह समन्व्यक (अनुसंधान) सह वैज्ञानिक एफ, डॉ..योगेश्वर मिश्रा ने संस्थान की गतिविधियो एवम अनुसंधान सलाहकार समूह (आरएजी) की रुप रेखा तथा संस्थान मे वर्तमान मे चल रही एवं नयी कुल 13 परियोजनाओं के बारे मे बताया। दो तकनीक सत्रो में चलने वाले बैठक की अध्यक्षता डॉ. जे. टी. मैथुज(पश्चिम बंगाल के प्रधान मुख्य वन संरकक्षक) एवं ए. के. मिश्रा (सेवानिवृत झारखंड के प्रधान मुख्य वन संरकक्षक) तथा सह अध्यक्षता अनिल कुमार सहायक प्रधान मुख्य वन संरकक्षक (डब्लयू पी) बिहार द्वारा की गयी। मौके पर डॉ. योगेश्वर मिश्रा, डॉ. शरद तिवारी, संजीव कुमार, डॉ. अनिमेष सिन्हा, आदित्य कुमार, पी सी लकड़ा सहित कई लोग उपस्थित थे।

दीपक महता,बीरेंद्र नायक,अजय तुरी इत्यादि लोग उपस्थित थे।

अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक

पिस्का नगड़ीः प्रखंड के लाल गुटवा स्थित वन उत्पदकता संस्थान में मंगलवार को आभाषीय मंच के माध्यम से अनुसंधान सलाहकार समूह (आरएजी) की बैठक हुई। उद्घाटन सत्र में संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने बैठक में आभाषीय मंच से अनुसंधान सलाहकार समूह के सभी सद्स्यो एवम भारतीय वानिकी अनुसंधान एव शिक्षा परिषद के सहायक महानिदेशक (अनु.एव योजना) का स्वागत करते हुए बैठक की महता पर प्रकाश डाला। संस्थान के समूह समन्व्यक (अनुसंधान) सह वैज्ञानिक एफ, डॉ..योगेश्वर मिश्रा ने संस्थान की गतिविधियो एवम अनुसंधान सलाहकार समूह (आरएजी) की रुप रेखा तथा संस्थान मे वर्तमान मे चल रही एवं नयी कुल 13 परियोजनाओं के बारे मे बताया। दो तकनीक सत्रो में चलने वाले बैठक की अध्यक्षता डॉ. जे. टी. मैथुज(पश्चिम बंगाल के प्रधान मुख्य वन संरकक्षक) एवं ए. के. मिश्रा (सेवानिवृत झारखंड के प्रधान मुख्य वन संरकक्षक) तथा सह अध्यक्षता अनिल कुमार सहायक प्रधान मुख्य वन संरकक्षक (डब्लयू पी) बिहार द्वारा की गयी। मौके पर डॉ. योगेश्वर मिश्रा, डॉ. शरद तिवारी, संजीव कुमार, डॉ. अनिमेष सिन्हा, आदित्य कुमार, पी सी लकड़ा सहित कई लोग उपस्थित थे।